पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बिहार के देवेन भारती बने मुंबई के पुलिस कमिश्नर

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 51 ■ गुरुवार, 1 मई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में पुलिस ने 9 बांग्लादेशियों को पकड़ा

5 पुरुष व 4 महिलाओं का समावेश

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अवैध तरीके से रह रहे 9 बांग्लादेशियों को अंबरनाथ पश्चिम पुलिस ने गिरफ्तार किया है. 9 में 5 पुरुष व 4 महिलाओं एवं बच्चों का समावेश है. अंबरनाथ पुलिस को गुप्त जानकारी मिली थी कि शहर पश्चिम के शृष्टि हिल एवं सर्वोदय नगर में कुछ बांग्लादेशी हैं. पुलिस ने जब उनसे विस्तार से पूछा तो मालूम पड़ा कि उनके पास किसी भी प्रकार का भारतीय नागरिकत्व का सबूत नहीं है. पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने पत्रकारों को बताया कि उनको रहने के लिए किसने सहायता की है. इसकी पूछताछ की जाएगी. ये सभी बांग्लादेशी शहर पश्चिम में पुलिस स्टेशन से दूरी पर शृष्टि हिल परिसर एवं सर्वोदय नगर में रह रहे थे. ताकि पुलिस पर उनकी कोई नजर ना पड़े. लेकिन गुप्त तरीके से जानकारी मिलने पर तलाशी लेकर इन 9 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है. उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा. वह यहां कब से रह रहे हैं. उन्होंने आधार कार्ड आदि सरकारी कागजात बनाए तो नहीं हैं. उन्हें यहां पर घर दिलाने में किसने मदद की. घर मालिक ने इन बांग्लादेशियों को किराये पर घर देने से पूर्व पुलिस वेरिफिकेशन कराया था या नहीं, ये सब बातें अब जांच का विषय बन चुकी हैं.

4 साल से रह रहे थे अंबरनाथ में

इन 9 बांग्लादेशियों के नाम हैं - आलमीन शेख, आरीफूल शेख, आलीनूर, विश्वास, रब्बी अलअमीन, एम. अब्दुल सत्तार, शगुना वसीम खान, नगरिस आ. शेख, आफिया और हाफिजा मुल्ला. इस सब पर अपराध दर्ज कर लिया गया है. जानकारी के अनुसार ये बांग्लादेशी गत 4 साल से अंबरनाथ में रह रहे थे.

PWD पर लगाम लगाने में सफल हो रही आयुक्त

खबर का असर

मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले ने स्थगित की मैनुअल टेंडर प्रक्रिया

- बोगस बिलों की कब होगी जांच?
- 150 बोगस टेंडर हुए रद्द
- कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव के कार्यकाल की जांच हो
- बड़े ठेकेदारों पर क्यों है अभी भी मेहरबान ?
- आयुक्त द्वारा ई-टेंडर प्रक्रिया को प्राथमिकता

उल्हासनगर। दैनिक 'उल्हास विकास' ने 11 अप्रैल 2025 के अंक में यह खबर प्रकाशित की थी कि उल्हासनगर महानगरपालिका के सबसे भ्रष्ट PWD विभाग में बोगस बिलों का बोलबाला है और यहां बोगस टेंडरिंग के आधार पर बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले की सतर्कता से आखिरकार करीब 150 बोगस मैनुअल टेंडर को रद्द कर दिया गया है। पूर्व शहर अभियंता व मौजूदा PWD के कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव ने सूचना जारी करते हुए निविदा सूचना क्र. 4 से 13 के अंतर्गत आने वाले सभी मैनुअल टेंडर प्रक्रिया को स्थगिती दे दी गई है। इससे यह जाहिर है कि बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई इस प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। मनपा आयुक्त के इस आदेश का सभी ने स्वागत किया है। वहीं PWD विभाग में ही चल रही बोगस बिलों की धांधलियों की भी जांच होनी चाहिए जिससे शहर विकास में इस्तेमाल होने वाली सारी रकम शहरवासियों के हितों के लिए इस्तेमाल हो सके। ठेकेदारों द्वारा बनाए गए बिलों में जीएसटी चोरी की भी जांच होनी चाहिए क्योंकि इससे राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है।

पूरी तरह से रद्द हो मैनुअल टेंडर प्रक्रिया

छुट्टी पर रहते हुए भी मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने ई-टेंडर प्रक्रिया स्थगित कर दी है। मनपा के विभिन्न विभागों में टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित किए जाने की मांग उठती रही है. लोगों की मांग है कि इस प्रक्रिया को सिर्फ स्थगित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से रद्द किया जाना चाहिए। उल्हासनगर शहर के नागरिकों को अच्छी सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता होनी चाहिए। यदि पुरानी व्यवस्था जारी रही तो शहर का विकास नहीं होगा और नागरिकों का विश्वास भी खत्म हो जाएगा।

उल्हासनगर महानगरपालिका के लोक निर्माण विभाग ने सरकारी निधि से 12 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए 100 से अधिक निविदाएं मैन्युअल रूप से जारी की थीं। हालांकि, मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कार्यभार संभालने के बाद लोक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार रोकने के लिए 14 सूत्री आदेश जारी किया था। इसी क्रम में मनीषा आव्हाले ने घोषणा की थी कि उन्होंने ई-टेंडरिंग प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है। हालांकि, इसके बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता संदीप जाधव ने टेंडर प्रक्रिया को मैन्युअली लागू किया।

निविदा प्रक्रिया मैन्युअल रूप से की जाती है तो भ्रम और गड़बड़ी की संभावना रहती है। इसलिए ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के माध्यम से कामकाज किए जाने की मांग की गई थी.

पुरानी रंजिश के चलते युवक पर हमला

उल्हासनगर. उल्हासनगर में पुराने विवाद को लेकर गुस्से में आकर तीन लोगों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया।

उल्हासनगर कैंप 1 में झूलेलाल स्कूल के पास रहने वाला युवक हितेश नागरानी जब घर जा रहा था, तो झूलेलाल मंदिर के पास तीन लोगों ने उसे रोका और कहा, हम तुम्हें एक वीडियो दिखाना चाहते हैं। हमारे साथ आओ। वे तीनों हितेश को पास के हेमराज डेयरी की ओर ले गए। हितेश ने शुरू में तो उसने कहा कि वह घर आ जाएगा, लेकिन उसकी बात सुनने की बजाय उन्होंने उसे मजबूर किया। वहां पहुंचने पर तीनों ने पुराने विवाद को लेकर नाराजगी जताते हुए हितेश की लकड़ी और डंडों से बेरहमी से पिटाई कर दी। हितेश किसी तरह वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकला।

अवैध निर्माणों पर चला JCB

- उल्हासनगर में अब अवैध निर्माणकर्ताओं की शामत
- अवैध निर्माणों की शिकायत पर होगी कार्रवाई
- उल्हासनगर 2 आजाद नगर में हुई कार्रवाई
- कहीं दिखावे की कार्रवाई तो नहीं?

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका की सीमा में अवैध निर्माणों पर महानगरपालिका ने सख्ती शुरू कर दी है। उल्हासनगर 2 आजाद नगर खेमानी इलाके में बड़ी संख्या में अवैध व्यावसायिक इमारतें बनाई जा रही थीं। इन निर्माणों के बारे में महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग से शिकायत की गई थी। इसके अनुसार आज जेसीबी की मदद से इन सभी अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया गया। उल्हासनगर महानगरपालिका की सीमा में 855 अवैध इमारतों का मुद्दा जहां पूरे राज्य में गरमाया हुआ है, वहीं शहर में अवैध निर्माणों पर लगाम न लगाने के लिए प्रशासन की काफी आलोचना हो रही है। दूसरी ओर महानगरपालिका ने शहर में हो रहे किसी भी अवैध निर्माण की शिकायत करने की अपील की है। वहीं यह भी चर्चा है कि शहर में सैकड़ों अवैध निर्माणों का कार्य चल रहा है और यह कार्रवाई कहीं दिखावे की कार्रवाई तो नहीं?

बिड़ला कॉलेज के पास बस से कुचलकर छात्र की मौत

कल्याण. बुधवार दोपहर कल्याण पश्चिम में बिड़ला कॉलेज के पास महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस के पिछले पहिये के नीचे दोपहिया वाहन पर सवार एक छात्र कुचल गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छात्र का नाम अमन कुमार दुबे (17) है। बुधवार दोपहर कॉलेज की छुट्टी होने के बाद अमन कुमार दुबे अपनी बाइक से घर जा रहा था। इस सड़क से गुजरते समय अमन कुमार दुबे एसटी बस के समानांतर दोपहिया वाहन चला रहे थे। बस चालक अपनी गति से बस को आगे चला रहा था। अचानक अमन कुमार दुबे ने अपनी बाइक पर नियंत्रण खो दिया और बस के पिछले पहिये के नीचे आ गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वह अपना संतुलन खो बैठे और गिर गए। जब बाइक सवार युवक बस के पिछले पहिये के नीचे आ गया तो अन्य वाहन चालक और पैदल यात्री चिल्लाने लगे। घटना घटित होते ही चालक ने बस को मौके पर ही रोक दिया। अमन कुमार दुबे पिछले पहिये के नीचे आने से गंभीर हालत में थे। सड़क पर गश्त कर रही यातायात पुलिस ने उसे तुरंत एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। बाद में उन्हें रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया। एसटी बस राजगुरुनगर बस डिपो की थी।

260 मजदूरों को तुरंत काम पर लिया जाए

- पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने व्यवस्थापन से की मांग
- नहीं तो अंबरनाथ बंद किया जाएगा : अभिजीत करंजुले

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ आनंद नगर औद्योगिक क्षेत्र की मिराकॅल कंपनी ने 20 वर्ष से कंपनी में काम कर रहे 260 मजदूरों को नोटिस ना देते हुए अनाचक नौकरी पर से निकाल दिया है. इन मजदूरों को व्यवस्थापन ने तुरंत काम पर नहीं लिया तो उग्र आंदोलन छेड़ दिया जाएजा. ऐसा इशारा भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने कंपनी व्यवस्थापन को दिया है.

भाजपा कल्याण जिला महासचिव अभिजीत करंजुले ने कहा है कि मजदूरों को न्याय नहीं मिला तो अंबरनाथ बंद किया जाएगा. कंपनी व्यवस्थापन के निषेध में 260 मजदूरों ने गत 52 दिनों से कंपनी के बाहर आंदोलन छेड़ रखा है. मजदूरों को न्याय मिले, इसके लिए महाराष्ट्र परिश्रम संघटना के माध्यम से पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने मजदूरों से भेंट की. कंपनी द्वार पर सभा लेकर कंपनी व्यवस्थापन की मनमानी की सख्त शब्दों में निषेध व्यक्त किया. कंपनी के 260 मजदूरों को अचानक नौकरी से निकाल देना अयोग्य है. व्यवस्थापन के विरोध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर से बातचीत हो गई है. सभी पक्षों ने मजदूरों के हित का निर्णय लिया है और भाजपा का समर्थन किया है. मुजोर व्यवस्थापन किसी की सुनता नहीं है. व्यवस्थापन के विरोध में अब सड़क पर उतर कर उग्र आंदोलन करने का इशारा अध्यक्ष नरेंद्र पवार ने दिया है. कंपनी व्यवस्थापन के विरोध में नारेबाजी की गई. कोई अनुचित प्रकार ना हो जाए इसके लिए पुलिस का बंदोबस्त बढ़ा दिया गया था. भाजपा शहराध्यक्ष प्रजेश तेलंगे, दिलीप कणसे ने मजदूरों के न्याय के लिए आंदोलन का इशारा दिया है.

रास्तों की खुदाई के कारण नहीं पहुंच पाई फायर ब्रिगेड

- बिजली के तार पर गिरा बड़ा पेड़
- बिजली आपूर्ति रही बाधित

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 3 शिवाजी नगर खत्री भवन के पास बिजली के तार पर एक बड़ा पेड़ गिर गया है और उस क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। हालांकि, अनिल अशोक थिएटर से आने वाली सड़क को खोदकर बंद कर दिया गया है, साथ ही 3 नंबर ओटी जाने वाली सड़क पर चल रहे एक अवैध कार्य के कारण भी सड़क बंद है। चूंकि दोनों सड़कें बंद हैं, इसलिए फायर ब्रिगेड को पहुंचने में काफी देरी हुई। साथ ही, भीषण गर्मी का मौसम है, ऐसे समय में बिजली आपूर्ति बाधित होने से उस क्षेत्र के नागरिकों को अनावश्यक रूप से परेशानी उठानी पड़ी। नागरिकों में भारी रोष देखा गया।

बनेली टेकड़ी पर 167 अवैध निर्माण ध्वस्त

- मनपा ने जेसीबी की मदद से की कार्रवाई

कल्याण. मानसून सीजन शुरू होने से पहले ही भू-माफियाओं ने टिटवाला बनी पहाड़ियों पर 167 सीमेंट कंक्रीट के प्लॉट खोद दिए और कुछ जगहों पर अवैध चालों का निर्माण शुरू कर दिया। यह पता चलने पर कि दो महीने पहले इस क्षेत्र में कार्रवाई करने के बावजूद भू-माफिया ने पहाड़ी पर फिर से अवैध निर्माण शुरू कर दिया है, मंगलवार की सुबह कडोंमपा वार्ड ए के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने दो जेसीबी की मदद से एक तोड़फोड़ दल का नेतृत्व किया और पहाड़ी पर 167 अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया।

अचानक, जब ध्वस्तीकरण दल बनेली पहाड़ी पर पहुंचा और कार्रवाई शुरू की, तो निर्माण स्थल पर काम कर रहे मजदूर, राजमिस्त्री और अन्य कर्मचारी निर्माण सामग्री छोड़कर आसपास की झाड़ियों और शहरी क्षेत्रों में भाग गए। कुछ देर बाद कुछ भू-माफिया सदस्य विरोध करने के लिए आगे आए, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। दो महीने पहले टिटवाला बनेली क्षेत्र में तीन सौ से अधिक अवैध झोपड़ियों और झोंपड़ियों को सहायक आयुक्त पाटिल की मौजूदगी में वार्ड ए की तोड़फोड़ टीम द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था।

बनेली क्षेत्र में भू-माफियाओं ने एक बार फिर अवैध रूप से चॉल निर्माण के लिए सीमेंट कंक्रीट की छड़ें बिछानी शुरू कर दी हैं। कुछ लोगों को अवैध झोपड़ियाँ बनाने के लिए ईंटें उपलब्ध कराई गई हैं। सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, उन्होंने दो दिन पहले गुप्त रूप से इन अवैध निर्माणों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उस समय, बनेली टेकड़ी क्षेत्र में एक पहाड़ी को खोदकर इस तरह के अवैध निर्माण शुरू किए जाने की पुष्ट जानकारी मिलने के बाद, सहायक आयुक्त पाटिल ने तोड़फोड़ दल को कोई पूर्व सूचना दिए बिना मंगलवार की सुबह अचानक बनेली टेकड़ी क्षेत्र में पहुंच गए। बिना किसी हिचकिचाहट के टीम ने दो जेसीबी की मदद से पहाड़ी पर बनी 167 जोतियों और नई अवैध चालों के निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

कॉलेज छात्रा ने 11वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

कल्याण. डोंबिवली के पूर्वी हिस्से में अपने परिवार के साथ रह रही एक युवती ने मंगलवार को अपने मामा द्वारा उसका मोबाइल फोन छीन लिए जाने से नाराज होकर एक इमारत की ग्यारहवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

मृतक लड़की का नाम समीक्षा नारायण वड्डी (20) है। वह कॉलेज में पढ़ रही थी। वह कटाई बदलापुर रोड पर खोनी इलाके के फिफ्टी फिफ्टी ढाबा इलाके में अपने मामा के घर रह रही थी। गणेश प्रधान ने इस आत्महत्या मामले की जानकारी मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में दी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

गणेश प्रधान की शिकायत पर मानपाड़ा थाने में दर्ज शिकायत में कहा गया है कि गणेश प्रधान की भांजी मृतका समीक्षा वड्डी मंगलवार रात अपने आवास पर मोबाइल फोन पर बात कर रही थी। इस दौरान जब समीक्षा बात कर रही थी तो उसके मामा गणेश प्रधान ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस ने बताया कि उसके मामा ने कहा कि उसे पढ़ाई करनी चाहिए और हर समय मोबाइल फोन पर बात नहीं करनी चाहिए। इस बात से नाराज होकर वह घर में किसी से कुछ भी कहे बिना लिविंग रूम में चली गई। वहां से वह ग्यारहवीं मंजिल से नीचे कूद गई।

उल्हास नदी में अतिक्रमण का प्रयास असफल

- नागरिकों के विरोध के बाद जागा प्रशासन
- तहसील कार्यालय द्वारा की गई कार्यवाही

बदलापुर. प्रदूषण के कारण पहले से ही सीवरेज सिस्टम बनने की कगार पर पहुंची उल्हास नदी को पाटकर बदलापुर में सुरक्षा दीवार बनाने का प्रयास किया गया है। स्थानीय नागरिकों द्वारा राजनीतिक दलों के माध्यम से विरोध जताए जाने के बाद अंततः तहसील प्रशासन ने इस संबंध में कार्रवाई करने के लिए कदम उठाए।

उल्हास नदी वर्तमान में राज्य की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक मानी जाती है। अधिकांश शहरी और औद्योगिक अपशिष्ट जल और कचरा इसी नदी में बहाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि ठाणे जिले के अधिकांश शहरों को इसी उल्हास नदी से पानी की आपूर्ति की जाती है। हालाँकि, प्रदूषण के कारण उल्हास नदी हर साल जलपक्षियों की समस्या से ग्रस्त रहती है। यह देखा गया है कि नदी के विभिन्न भागों में नदी का तल भर रहा है।

बदलापुर शहर हर साल उल्हास नदी में आने वाली बाढ़ से प्रभावित होता है। शहर से होकर बहने वाले प्राकृतिक नालों को

स्थानीय निर्माण पेशेवरों द्वारा राजनीतिक समर्थन से पहले ही संकीर्ण कर दिया गया है। इसलिए उल्हास नदी में बाढ़ से आम लोग प्रभावित होते हैं। हर साल नालों के संकीर्ण होने के स्पष्ट परिणामों के बावजूद, एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि उल्हास नदी के तल को एक बार फिर मिट्टी से भरने का काम चल रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा फोटो प्रसारित करने के बाद हड़कंप मच गया।

निवासियों ने आशंका व्यक्त की कि यदि यह कार्य जारी रहा तो आगामी मानसून के दौरान बाढ़ के पानी से घिरी दो मंजिला इमारतों सहित और भी इमारतें जलमग्न हो जाएंगी। हालाँकि, इसके बाद भी यह जारी रहा, जिसके कारण निवासियों ने धरना-प्रदर्शन किया। मनसे की संगीता चेंदवणकर और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी मंगलवार से यहां भूख हड़ताल शुरू कर दी थी। इसकी सूचना मिलने पर तहसीलदार कार्यालय ने यहां इस्तेमाल की गई बड़ी मशीनरी, खुदाई करने वाली मशीनें और जेसीबी जब्त कर लीं। उन्होंने काम करने वालों पर जुर्माना लगाने के नोटिस भी जारी किए। नगर निगम प्रशासन ने भी मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया है और आश्वासन दिया है कि प्रशासन जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगा।

बदलापुर के वीजन फ्रंडे साकिब गोरे का 33 रुपए चश्मा विश्व शिखर परिषद में

साकिब ने 34 वर्षों में 27 लाख लोगों के आंखों का मुफ्त जांच करा चुके

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

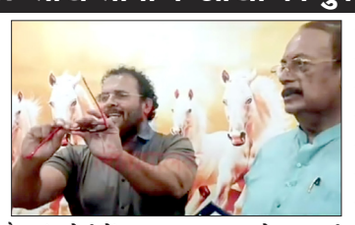

अंबरनाथ. आंखों की कमजोरी के जरूरतमंदों के लिए गत 34 वर्षों से आंखों का मुफ्त कैम्प आयोजित करने वाले बदलापुर के साकिब गोरे (58) का चुनाव नेपाल में होने वाली विश्व कांफ्रेंस के लिए हुआ है. विश्व की 700 संस्थाओं में से केवल 3 संस्था को सबसे कम कीमत का चश्मा देने के लिए चुना गया है. इनमें से एक साकिब गोरे की संस्था है. जो विश्व स्तर पर केवल 33 रुपयों में जरूरतमंदों को चश्मा देगी.

विदित हो कि साकिब गोरे ने अपने नाम से विजियन फ्रेंड साकिब गोरे नाम की संस्था बनाया है. ट्रांसपोर्ट में हमाल का काम से अपना जीवन शुरू करने वाले सामाजिक सेवा करने वाले साकिब गोरे ने गत 34 बरसों से 27 लाख लोगों की आंखों की जांच करा चुके हैं. इनमें से 16 लाख गरीब और जरूरतमंदों को मुफ्त चश्मा और 63 हजार मोतियाबिंद के आपरेशन करवा चुके हैं. यहां पर ये खास ौर से आपको बताना है कि साकिब ने ये काम बिना किसी की मदद लिए किया है. अपने खर्च से उन्होंने अब तक महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों एवं देहातों में आंखों की जांच के मुफ्त कैम्प लगाए हैं. विश्व में दृष्टिहीन के लिए कार्य करने वाली आईएपीबी संस्था ने 29 अप्रैल से 1 मई तक नेपाल के काठमांडों में एक विश्व स्तर की कांफ्रेंस का आयोजन किया है, जिसमें 76 देशों के 700 संस्था भाग ले रही हैं. एपीबीपी ने इस मैदान में काम करने वाली विश्व की संस्थाओं से कम से कम कीमत में चश्मा बनाने का रेट मांगा था. इसमें से तीन को चुना गया है, जिसमें साकिब गोरे की संस्था भी शामिल है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

विकास की कीमत

इसमें दोराय नहीं कि अच्छी और निर्बाध सड़कें विकास के लिए अनिवार्य मानक हैं। पर ऐसी सड़कें अगर रफ्तार के बरक्स सफर करने वालों की जिंदगी को जोखिम में डालने का कारक बनती हैं, तो इसका मतलब है कि ऐसी सड़कों पर बचाव के उपायों का खयाल रखना जरूरी नहीं समझा गया है।

यह छिपा नहीं है कि राजमार्ग या लंबी दूरी वाले एक्सप्रेस-वे ने लोगों की यात्रा को आसान और समय बचाने वाला बनाया है, मगर इसके साथ-साथ ऐसी सड़कों पर होने वाले हादसे और उसमें मरने वालों की दर भी तेजी से बढ़ी है।

सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर सड़क हादसों में इतने लोगों की जान जा रही है, तो बड़े-बड़े राजमार्गों के निर्माण का क्या उद्देश्य है। अदालत ने केंद्र सरकार से सड़क हादसों में नकदीरहित इलाज की योजना के अब तक लागू न होने को लेकर भी सवाल पूछे। अव्वल तो सड़क सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, चाहे उसके लिए नियम-कायदे बनाना हो या फिर लोगों के भीतर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाना। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में हादसे होते हैं तो उसके बाद हताहतों के जीवन को बचाना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यह तथ्य है कि सड़क दुर्घटना में अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके बाद के एक घंटे का वक्त यानी 'गोल्डन आवर' उसके जीवन के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण होता है।

इस अवधि में अगर उसे उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बच सकती है। मगर हकीकत यह है कि लंबी दूरी के राजमार्गों या एक्सप्रेस-वे तो बना दिए गए हैं, लेकिन हादसे की स्थिति में घायलों को समय पर इलाज मुहैया कराने के लिए अस्पताल की व्यवस्था से लेकर वहां पहुंचाए जाने के जरूरी इंतजामों की अनदेखी की जाती है।

सवाल है कि अगर सरकार ने हादसे के बाद एक घंटे की बेशकीमती अवधि में नकदीरहित इलाज का भरोसा दिया है, तो व्यवहार में उसे लागू करने में उसे क्या दिक्कत है। सड़क हादसों में अनेक ऐसे लोगों की भी मौत हो जाती है, जिन्हें समय पर इलाज मुहैया करा कर बचाया जा सकता था।

ठंडे दिमाग से पाकिस्तान का शर्तिया इलाज जरूरी

भारत के प्रति घृणा में डूबे पाकिस्तान ने पहलगाम में भीषण आतंकी हमला करा कर यही साबित किया कि वह न तो खुद चैन से रहेगा और न हमें रहने देगा। पहलगाम के पहले 2013 में नैरोबी के एक माल और 2016 में ढाका के एक कैफे में जिहादियों ने लोगों से कलमा (मुस्लिम होने की जरूरी निशानी) सुनाने की मांग कर हत्या की थी। क्या आतंक का मजहब होता है? इस पर बहस होती रहेगी, लेकिन इस पर बहस की गुंजाइश नहीं कि इन हमलों को अंजाम देने वाले मजहबी प्रेरणा से लैस थे।

इसीलिए तो कई मुस्लिम नेताओं ने कहा कि पहलगाम हमले ने हमें शर्मिंदा किया, पर कुछ लोग यह साबित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हैं कि आतंकियों ने लोगों का मजहब नहीं पूछा। यह आतंकियों को क्लीनचिट देना है। यह काम पश्चिमी मीडिया भी बेशर्मी से कर रहा है। पश्चिम में शायद ही अधिकांश लोग इस सच से अवगत हों कि पहलगाम में लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया। पश्चिमी मीडिया की जिहादियों का बचाव करने वाली इस करतूत की कीमत एक दिन पूरा पश्चिम चुकाएगा।

पहलगाम हमले को सात दिन बीत चुके हैं, लेकिन आतंकियों का पता नहीं। साफ है कि उन्हें किसी ने शरण दे रखी होगी या फिर कोई उन्हें खाना-पानी दे रहा होगा। कोई स्थानीय उनका साथ न देता तो क्या इतना भीषण हमला होता? यदि आतंकी मारे जाएंगे तो मामूली संतुष्टि ही मिलेगी। यदि पकड़े जाएंगे तो पाकिस्तान फिर से बेनकाब होगा, लेकिन उसकी

बेशर्मी पर असर नहीं पड़ेगा। आखिर मुंबई हमले में कसाब के पकड़े जाने से भी उसकी सेहत पर असर नहीं पड़ा।

यदि पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक की जाती है तो वह कुछ डरेगा, लेकिन फिर वही करेगा, जो उसने मुंबई, उड़ी, पठानकोट, पुलवामा और पहलगाम में किया। वह नए-नए तरीकों से हमले करेगा। जैसे उसने पहलगाम में किया। आम धारणा थी कि आतंकी सेना, पुलिस, कश्मीरी पंडितों, गैर कश्मीरियों और हिंदू तीर्थयात्रियों को ही निशाना बनाते हैं, लेकिन पर्यटकों को नहीं। इस बार उन्होंने पर्यटकों में हिंदू चुन कर मारे। एक मुस्लिम और एक ईसाई भी उनके हाथों मारे गए। शायद इसलिए, क्योंकि जिहादी अपने दुश्मनों के साथ वालों के बारे में यही मानते हैं कि वे भी उन्हीं में से हैं। इसीलिए अतीत में तमाम कश्मीरी मुस्लिम भी उनके निशाने पर आए।

चूंकि यह मान लिया गया था कि आतंकी पर्यटकों को निशाना नहीं बनाते, इसलिए उनकी सुरक्षा पर जरूरी ध्यान नहीं दिया गया। सुरक्षा में चूक के जो सवाल उठ रहे, वे जायज हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे सवाल उठा रहे, जैसे सरकार ने पूरी चौकसी न बरतकर आतंकियों को पर्यटकों को मारने का लाइसेंस दे दिया। हर आतंकी हमले के पीछे कहीं न कहीं सतर्कता में कमी होती है।

9/11 के समय भी थी, 26/11 के वक्त भी थी और 22 अप्रैल को पहलगाम में भी थी। कश्मीर में चौकसी बढ़ाने से हमले कम तो हो सकते हैं, पूरी तरह खत्म नहीं होंगे। यह एक तथ्य है कि जम्मू-कश्मीर में रह-रहकर आतंकी हमले हो ही रहे थे। पाकिस्तानी सेना जब तक हिंदू भारत से घृणा पर पलती रहेगी, तब तक वह जिहादी भेजती रहेगी। लश्कर, जैश के जिहादी पाकिस्तानी सेना के बिना वर्दी वाले सैनिक ही हैं।

पहलगाम हमले के बाद देश गुस्से में उबल रहा है, लेकिन पाकिस्तान का ठंडे दिमाग से शर्तिया इलाज करना होगा, ताकि फिर कभी मुंबई, उड़ी, पुलवामा, पहलगाम न हो। कोई भी दल या सरकार हो, उसे यह सोच बदलना होगा कि पाकिस्तान बिना होश ठिकाने आए सुधर जाएगा। सोच समूचे सरकारी तंत्र को भी बदलना होगा, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद पता चला कि कई पाकिस्तानी वीजा अवधि पूरी होने के बाद भी रह रहे थे।

महाराष्ट्र में ऐसे कई मिल नहीं रहे और छत्तीसगढ़ में दो ने छल-छद्म से भारतीय पहचान हासिल कर ली। हमारा तंत्र जाने-अनजाने कैसे-कैसे खतरों की आराम से अनदेखी करता है, इसका उदाहरण है गुजरात में सैकड़ों अवैध बांग्लादेशियों का मिलना।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जितना अधिक हम प्रभु के और अपनी आत्मा के नजदीक आते हैं, उतना ही अधिक हम दूसरों की तकलीफों के प्रति करुणा से भर जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

गोलीबारी से उकसावे की चाल

पहलगाम हमले के बाद जिस तरह भारत में आक्रोश है और सरकार पर कोई बड़ी कार्रवाई करने का जन-दबाव बन रहा है, उसे देखते हुए पाकिस्तान में घबराहट है। उसने घटना के बाद सीमा पर हवाई गश्ती और चौकियों पर सैनिक दस्ते बढ़ा दिए। हालांकि वह लगातार कह रहा है कि उस हमले में उसका कोई हाथ नहीं था, उसकी जांच की पेशकश भी कर रहा है, पर वहां की सेना जिस तरह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, उससे जाहिर है कि वह भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश कर रही है।

पहलगाम हमले के बाद से वह चार बार गोलीबारी कर चुकी है। हालांकि आमतौर पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की जाती है, तो उसका यही मतलब होता है कि दुश्मन देश सीमा पर अपने सैनिकों की मुस्तैदी का संकेत दे रहा है। बताने का प्रयास कर रहा है कि वह किसी भी तरह की चुनौती से निपटने को तैयार है। मगर पाकिस्तानी सेना साजिशन ऐसा करती है। अक्सर वह अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने के मकसद से इस तरह गोलीबारी करती है। इस तरह वह अनेक बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर चुकी है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता

है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। यह छिपी बात भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजंसी का हाथ है। इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं। भारत सरकार अनेक आतंकी हमलों से जुड़े प्रमाण पाकिस्तान सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सौंप चुकी है।

मगर पाकिस्तान हर दस्तावेज को सिरे से खारिज करता रहा है। वह खुद दहशतगर्दी के गहरे जख्म झेल चुका है, पर इस पर नकेल इसलिए नहीं कस पाता कि वहां निर्णय करने का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत के ऊपर अपना वर्चस्व बना लिया है। इसलिए सरकार के स्तर पर लिया गया कोई भी निर्णय सेना अपनी मर्जी से स्वीकार या अस्वीकार करती है।

दरअसल, आतंकवाद को वहां की सेना ने अपना हथियार बना लिया है और उसका इस्तेमाल वह मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करती रही है। ऐसा लगता है कि इसी से उसका वजूद बचा और बना हुआ है। वह भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चला कर उकसाने और सीमा पर तनाव बनाए रख कर पाकिस्तानी अवाम को बरगलाने में कामयाब होती रही है।

आतंकवाद और भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्ते पाकिस्तान सरकार को भी रास आते हैं। इस तरह वह बुनियादी समस्याओं की तरफ से वहां के लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाती है। पाकिस्तान पूरी तरह से विफल राष्ट्र है। उसकी माली हालत निहायत खस्ता हो चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दुर्दशा झेल रही हैं।

लोगों को दो जून की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उधर बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन रोज उसे गंभीर चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ सीमा पर तनाव से बुनियादी समस्याओं पर कुछ समय के लिए पर्दा पड़ जाता है। मगर इस तरह वहां की सरकार बहुत लंबे समय तक अपनी कमजोरियों को ढंक कर नहीं रख सकती। फिर, चीन से उसे जो मदद मिल रही है, वह स्थायी नहीं है। अपना स्वार्थ सधते ही वह अपना हाथ खींच लेगा।

अनोखा गांव : जहां घर के सामने ही होता मायका-ससुराल

जरा हट के

मध्य प्रदेश का एक गांव ऐसा भी, जहां न तो किसी की बारात आती है, और न ही गांव से बाहर किसी की बारात जाती है. यहां लड़के-लड़कियों की शादियां गांव में ही हो जाती है. जी हां, हम बात कर रहे हैं खरगोन के चोली गांव की, जिसे देवों की नगरी देवगढ़ और मिनी बंगाल भी कहा जाता है. मुगलकाल से ही यहां यदुवंशी ठाकुर समाज में विवाह की यह अनोखी परम्परा चलन में है. रिश्ते ढूंढने के लिए लोगों को गांव की सीमा नहीं लांघनी पड़ती है. कई महिलाएं तो ऐसे है, जिनका मायका और ससुराल आमने-सामने है.

बरहाल, आज 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया (आखा तीज) के दिन भी इस गांव में कई जोड़े विवाह के बंधन में बंधने जा रहे हैं. ऐसा ही एक विवाह गांव के निर्भय सिंह पटेल के सुपुत्र अक्षय पटेल और जगदीश ठाकुर की सुपुत्री भामिनी के बीच हो रहा है. Local18 से बातचीत में 26 वर्षीय अक्षय (प्रेस्टीसाइज दुकान संचालक) कहते हैं कि, इस विवाह से बेहद खुश है. उनका ससुराल महज 5-6 घर छोड़कर ही है. बारात पूरे गांव में घुमाकर ले जाएंगे.

5 घर छोड़ मायका और ससुराल

वहीं, भामिनी ने कहा कि, अक्षय जैसा जीवन साथी पाकर खुश है. एक ही गांव में रहते है, दोनों एक दूसरे को भली भांति जानते हैं. व्यवहार, आचरण से परिचित हैं. पहले से सब पता होने से विवाह के बाद कोई दिक्कत नहीं होती. गांव में सभी की शादियां इसी तरह होती है. मायका और ससुराल नजदीक होने से दोनों घर आने जाने में वक्त नहीं लगता. छोटे-छोटे आयोजनों में भी शामिल हो पाते है.

भामिनी के पिता जगदीश ठाकुर ने बताया कि, इस गांव में सभी एक दूसरे के रिश्तेदार हैं. मैने अपनी बेटी की शादी अपनी बहन के परिवार में अक्षय के साथ की है. उन्होंने कहा कि, विवाह के लिए रिश्ता तय करते समय माता-पिता के कुल और गोत्र देखते हैं. 5 गोत्र छोड़कर रिश्ता जोड़ लेते है. बहन का विवाह होने से कुल और गोत्र बदल गया, इसलिए रिश्ता कर लिया.

लौकी की खीर

लौकी की खीर खाने में बेहद स्वादिष्ट होती है। यह खीर दूध और लौकी को मिलाकर बनाई जाती है। इसमें मेवे और केसर डालकर इसे और भी स्वादिष्ट बनाया जा सकता है। यह खीर गर्मियों में खासतौर पर पसंद की जाती है, क्योंकि लौकी शरीर को ठंडक पहुंचाती है। आइए जानते हैं कि लौकी की खीर बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 1 मध्यम आकार की लौकी (लगभग 500 ग्राम)
- 1 लीटर दूध (फुल क्रीम)
- 4-5 चम्मच चीनी
- 4-5 हरी इलायची (दाने निकालकर पीस लें)
- 10-12 बादाम
- 10-12 काजू
- 1 चम्मच घी
- केसर के कुछ धागे
- 1 चम्मच किशमिश

विधि :

सबसे पहले लौकी को छील लें और उसे बारीक कद्दूकस करके रख लें। अगर लौकी में पानी ज्यादा है, तो इसे हाथ से निचोड़कर एक्स्ट्रा पानी निकाल दें। अब एक भारी तले की कड़ाही में दूध डालकर मध्यम आंच पर उबालने

रख दें और दूध को चलाते रहें, ताकि यह नीचे न चिपके। जब दूध एक उबाल आकर थोड़ा गाढ़ा होने लगे, तो इसमें कद्दूकस की हुई लौकी डाल दें। लौकी को दूध में अच्छी तरह मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें। इसे लगभग 20-25 मिनट तक पकाएं, जब तक कि लौकी पूरी तरह नरम न हो जाए और दूध गाढ़ा न हो जाए। बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि खीर नीचे न चिपके। अलग से एक छोटी कढ़ाई में घी गर्म करें और इसमें कटे हुए बादाम, काजू और किशमिश को हल्का-सा भून लें। इन भुने हुए मेवों को खीर में डाल दें। अब इसमें चीनी, पिसी हुई इलायची और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चीनी डालने के बाद खीर थोड़ी पतली हो जाएगी, लेकिन ठंडी होने पर यह गाढ़ी हो जाती है। खीर को 5-10 मिनट और पकाएं, फिर गैस बंद कर दें। गरमा-गरम खीर को कटोरी में निकालकर ऊपर से बादाम और काजू से सजाएं।

पेट की चर्बी आसानी से घटाने के लिए प्रभावी योगासन

बस रोजाना अभ्यास है जरूरी

पेट पर जमी अतिरिक्त वसा देखने में खराब लगती है जो आपकी सुंदरता को बिगाड़ती है, साथ ही स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डालती है। पेट की चर्बी को कम करने के लिए कुछ घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। प्राकृतिक तरीके से पेट की चर्बी घटाने के लिए योगासन भी असरदार है।

नियमित योगाभ्यास से न सिर्फ पेट की चर्बी कम होती है, बल्कि शरीर लचीला और मन शांत रहता है। पाचन दुरुस्त रहता है, रक्त संचार बेहतर बनता है और त्वचा में भी निखार आता है। हालांकि आसानी से पेट की चर्बी घटानी हो या वजन कम करना हो तो कुछ योगासनों का अभ्यास नियमित करना चाहिए। निरंतरता और संयम से जरूर परिणाम मिलेगा। यहां आसान और रोजाना करने लायक कुछ योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जो पेट की चर्बी कम करने में बेहद असरदार हैं।

■ भुजंगासन

पेट के बल लेट जाकर हथेलियां कंधे के नीचे रखें। सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी भाग को ऊपर उठाएं और नाभि तक शरीर जमीन पर रहे। 15-30 सेकंड तक

इस स्थिति में रुके और धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

■ पवनमुक्तासन

पीठ के बल लेटकर पैरों के दोनों घुटनों को मोड़कर पेट पर लाएं। फिर हाथों से घुटनों को पकड़ें और ठुड्डी को घुटनों से लगाएं। 20-30 सेकंड इस अवस्था में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

■ नौकासन

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर सांस लेते हुए सिर, हाथ और पैरों को एक साथ ऊपर उठाएं। इस दौरान शरीर की नाव जैसी आकृति बना ले। 15-20 सेकंड तक इसी मुद्रा में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

■ धनुरासन

धनुरासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट कर दोनों पैरों के घुटनों को मोड़ें और हाथों से टखनों को पकड़े। श्वास लेते हुए सिर, छाती और जांघों को ऊपर उठाएं। इस मुद्रा में कुछ देर रखने के बाद धीरे धीरे सामान्य स्थिति में लौटें।

डायबिटीज रोगियों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए 5 जरूरी टिप्स

शुगर रहेगा कंट्रोल

डायबिटीज एक गंभीर और क्रॉनिक स्वास्थ्य समस्या है जिसका खतरा सभी उम्र के लोगों में देखा जा रहा है। हालिया रिपोर्ट्स से पता चलता है कि बच्चे भी इस गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं। ब्लड शुगर बढ़ने के कारण होने वाली ये बीमारी संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती है। जिन लोगों को ब्लड शुगर अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उनमें समय के साथ आंखों-किडनी, हृदय रोग और तंत्रिकाओं से संबंधित बीमारियों का खतरा हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज (मधुमेह) रोगी को अपनी सेहत का बहुत खास ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि अगर सही देखभाल न हो तो यह हृदय रोग, किडनी सहित कई अंगों के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है।

आप लाइफस्टाइल और आहार को ठीक रखकर भी ब्लड शुगर को स्तर को कंट्रोल में रख सकते हैं।

बहुत से लोगों को बीमारी के बारे में जानकारी नहीं

इंडियन डायबिटीज फेडरेशन (आईडीएफ) ने हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया कि भारत में अभी 89.8 मिलियन (8.94 करोड़) लोग मधुमेह की समस्या का शिकार हैं। विशेषज्ञों की टीम ने अलर्ट किया है कि साल 2050 तक भारत में मधुमेह के मामलों में 73% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 156 मिलियन (15.6 करोड़) से अधिक लोगों तक पहुंच सकता है।

सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि इनमें से अनुमानतः 252 मिलियन (25.2 करोड़) लोगों को अभी तक पता ही नहीं है कि उन्हें यह बीमारी है, जिससे उनमें गंभीर जटिलताओं और समय से पहले मृत्यु का अधिक जोखिम हो सकता है।

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल में रखा जा सकता है इसको लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जरूरी टिप्स शेयर किए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिए जरूरी टिप्स...

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक पोस्ट में बताया कि मधुमेह से बचाव के लिए कुछ प्रभावी उपायों को अपनाना जरूरी है। अपने जीवनशैली में कुछ बदलावों को शामिल कर मधुमेह से बचाव सुनिश्चित किया जा सकता है।

- मीठे खाद्य-पेय पदार्थों का सेवन कम करें। चीनी वाली चीजों से बचें।
- तंबाकू और शराब से भी बचे रहना जरूरी है।
- डायबिटीज को कंट्रोल रखने के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करते रहना चाहिए।
- भोजन में फल-सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं।
- वजन को सामान्य बनाए रखें, इसे बढ़ने न दें।

ना दांत रहेंगे पीले, ना मुंह से बदबू आज़माएं ये आसान घरेलू टिप्स

दांत आपकी पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा हैं. ज्यादातर लोग दांतों के पीलेपन से काफी परेशान हैं, जिसके कारण वे सोशल गैदरिंग से भी बचते हैं. लेकिन उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है. कुछ देसी नुस्खों को अपनाकर वे अपने दांतों को फिर से सफेद कर सकते हैं. लोकल18 ने इस बारे में डॉ. ओम राज शर्मा से बातचीत की. आइए इन नुस्खों को विस्तार से समझते हैं.

सफेद सिरका और पानी से कुल्ला: सिरका में ऐसे कई गुण होते हैं जो गंदगी को दूर करते हैं. एक चम्मच सफेद सिरके को आधा गिलास पानी में मिलाकर घोल बनाएं और उससे कुल्ला करें. इससे दांतों पर जमा पीलापन हट जाएगा.

स्ट्रॉबेरी और बेकिंग सोडा: स्ट्रॉबेरी को मैश करके उसमें थोड़ा बेकिंग सोडा मिलाएं और उसे दांतों पर रगड़ें. इससे दांतों का पीलापन कम हो सकता है. लोग आमतौर पर इन प्राकृतिक नुस्खों का इस्तेमाल करते हैं.

नारियल तेल से कुल्ला: नारियल तेल भी दांतों की सफाई में बेहद कारगर है. रोजाना सुबह खाली पेट नारियल तेल से कुल्ला करने से मुंह की सफाई होती है और दांत सफेद होते हैं.

अर्जुन की छाल का पाउडर: अर्जुन की छाल आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि मानी जाती है. यह टर्मिनालिया अर्जुना पेड़ की छाल से मिलती है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं. अर्जुन की छाल का पाउडर मंजन के रूप में इस्तेमाल करने से दांतों का पीलापन कम होता है. बाजार में भी अर्जुन की छाल से बने दंत मंजन पाउडर उपलब्ध हैं.

अदरक और नमक का पेस्ट: अदरक और नमक को खाना बनाने में इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन ताजे अदरक का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक मिलाकर दांतों पर हल्के हाथों से मलें तो पीलापन कम हो सकता है.

काला नमक और सरसों का तेल: थोड़ा सा काला नमक और सरसों का तेल मिलाकर दांतों पर रगड़ने से पीलापन धीरे-धीरे कम होता है. इसका नियमित इस्तेमाल करने पर फर्क साफ दिखाई देता है.

आज का राशिफल

मेष : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुशाग्रबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृषभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

मिथुन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क : किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह : घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या : शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

धनु : आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है।

कुंभ : शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन : चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मुंबई से फोन पर पति ने दिया था 3 तलाक, दुपट्टे को फंदा बना पत्नी ने कर ली खुदकुशी

गोरखपुर. गोरखपुर में नगर पंचायत चौरीचौरा के वार्ड संख्या तीन रविदास नगर की रहने वाली सानिया (21) पुत्री नसरुद्दीन ने तीन तलाक दिए जाने से आहत होकर खुदकुशी कर ली। आरोप है कि पति ने फोन पर तीन तलाक दिया था। चौरीचौरा और महिला थाने पर चक्कर काटने के बाद सोमवार की रात में 9 बजे घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर उसने आत्महत्या कर ली। सानिया की शादी दो वर्ष पूर्व 7 अगस्त 2023 को मुंबई में रहने वाले सलाउद्दीन से हुई थी। पति और पूरा परिवार मुंबई में रहता है। मायके वालों का आरोप है कि आए दिन दोनों के बीच में विवाद होता था। सानिया पति की प्रताड़ना से परेशान थी। पति ने इसी दौरान फोन पर तलाक दे दिया था। शुक्रवार को वह मुंबई से अपने घर लौटी थी। पति की ओर से की जा रही प्रताड़ना कि शिकायत सानिया की मां ने पहले मुम्बई पुलिस में की थी। वहां की पुलिस जांच कर रही थी, इस बीच परिवार गोरखपुर आ गया।

कार एक्सीडेंट में दरोगा-सिपाही की मौत

रायबरेली. उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक कार एक्सीडेंट में यूपी पुलिस के दरोगा और एक सिपाही की मौत हो गई। दोनों आपस में जीजा-साले थे। दरोगा जीजा तो साला सिपाही के पद पर तैनात था। हादसे में दरोगा की पत्नी भी घायल हो गई हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह भी पुलिस विभाग में सिपाही के पद पर तैनात हैं। अस्पताल में डॉक्टर उनके इलाज में जुटे हैं। पुलिस विभाग के उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, उनकी पत्नी आरक्षी रूपा कुमारी और प्रदीप का साला अभय कुमार कार से प्रयागराज से लखनऊ की तरफ आ रहे थे। लखनऊ प्रयागराज रोड पर जगतपुर में जिगना के पास बुधवार सुबह 3 बजे उनकी कार एक वाहन से टकरा गई। हादसे में तीनों लोग घायल हो गए।

शादी से लौट रही गाड़ी खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी, भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत

मुरादाबाद. मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा में शादी से लौट रही एक कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में तीन की मौत हो गई। गाड़ी सवार एक शादी से लौट रहे थे। देर रात हुए हादसे में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बताया जा रहा है कि विवाह समारोह से लौट रहे लोगों की ऑल्टो कार बुधवार की सुबह लगभग 2:00 बजे कोतवाली क्षेत्र के गांव सरकड़ा परम के निकट करनपुर रतुपुरा मार्ग पर सड़क के किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। जानकारी के अनुसार दुर्घटना में छह लोग गंभीर घायल हो गए जिनमें से दंपति व पुत्री सहित तीन की मौत हो गई। जबकि तीन लोग चिंताजनक हालत में काशीपुर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

जाति जनगणना कराएगी केंद्र सरकार

- मूल जनगणना के साथ ही होगी
- मोदी कैबिनेट का फैसला

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार सुबह 11 बजे केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है।

वैष्णव ने कहा कि 1947 से जाति जनगणना नहीं की गई। मनमोहन सिंह ने जाति जनगणना की बात कही थी। कांग्रेस ने जाति जनगणना की बात को केवल अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। जाति जनगणना केवल केंद्र का विषय है।

कुछ राज्यों ने यह काम सुचारू रूप से किया है।हमारा सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, हम इसकी कोशिश कर रहे हैं। मोदी सरकार ने फैसला किया है कि जाति जनगणना, मूल जनगणना में ही शामिल होगी।

मोदी कैबिनेट ने शिलॉन्ग से सिलचर (मेघालय-असम) हाईस्पीड कॉरिडोर बनाने का भी फैसला लिया है। ये 166 किमी का और 6 लेन का रहेगा। ये कॉरिडोर नॉर्थईस्ट के लिए अहम रहेगा। इसमें 22 हजार 864 करोड़ लागत आएगी।

पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल की कोई बैठक नहीं हुई थी। 23 अप्रैल को केवल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) की बैठक हुई थी, जिसमें आतंकवादी हमले की निंदा की गई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन

- पूर्व रॉ चीफ को चेयरमैन बनाया
- 5 सदस्यों में आर्मी-नेवी-एयरफोर्स के पूर्व अफसर, डिप्लोमैट-IPS भी शामिल

ये 5 सदस्य होंगे

- वेस्टर्न एयर कमांडर के पूर्व एयर मार्शल पीएम सिन्हा
- पूर्व सदर्न आर्मी कमांडर ले. जनरल एके सिंह
- रियर एडमिरल (रिटायर्ड) मॉन्टी खन्ना
- पूर्व डिप्लोमैट बी वेंकटेश वर्मा
- पूर्व IPS अफसर राजीव रंजन वर्मा

सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (NSAB) का नए सिरे से गठन किया है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (R&AW, रॉ) के पूर्व प्रमुख रहे आलोक जोशी को इसका नया चेयरमैन बनाया गया है। NSAB में चार सदस्य भी होंगे। इनमें आर्मी और एयरफोर्स के पूर्व अफसर हैं। साथ पूर्व डिप्लोमैट और पूर्व IPS अफसर को भी शामिल किया गया है। सरकार ने ये फैसला पहलगाम आतंकी हमले को देखते हुए लिया है। NSAB राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को इनपुट देगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी (CCS) की बैठक में ये फैसला लिया गया। इससे पहले CCS की बैठक पहलगाम हमले के एक दिन बाद यानी 23 अप्रैल को हुई थी।

कोलकाता के होटल में आग लगी, 15 की मौत

- 22 लोगों को बचाया
- छत से कूदते नजर आए लोग
- SIT जांच करेगी

कोलकाता. कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोगों की मौत और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया।

पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। वहीं, 12 पुरूष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है।

पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8:15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बनाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और खिड़कियों से कूदते नजर आए।

सिर्फ एक को मारेंगे, जो लाख के बराबर होगा

- लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पाक को दी धमकी, किस पर इशारा?

नई दिल्ली. कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी दी है। इस गैंग की धमकी से जुड़ा सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है जिसमें गैंग ने लिखा है कि पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की हत्या का जवाब देने के लिए हम पाकिस्तान में घुसकर एक ऐसे आदमी को मारेंगे, जो एक लाख के बराबर होगा। पोस्ट में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का फोटो भी लगा है और उस पर क्रॉस का चिह्न लगाया गया है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

भारत में कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे चुका लॉरेंस बिश्नोई गिरोह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने गुनाहों की जिम्मेदारी लेता रहा है। हालांकि उसके इस पोस्ट में कितनी सच्चाई है और क्या इसे गैंग ने ही पोस्ट किया है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है।

अक्सर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पाकिस्तानी गैंगस्टरों और डॉन से रिश्ते रखने के आरोप लगते रहे हैं। कई अपराधों में पुलिस लॉरेंस बिश्नोई के पाकिस्तान से रिश्तों की बात कहते हुए सबूत भी दे चुकी है लेकिन जेल से हुए लॉरेंस बिश्नोई के कथित इंटरव्यू में वह इस बात को नकार चुका है। लॉरेंस बिश्नोई ने खुद को देशभक्त कहते हुए बार-बार दावा किया था कि देश के दुश्मनों से उसके कोई रिश्ते नहीं हैं।

इसके विपरीत पिछले साल लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी को ईद की बधाई दे रहा था। यही नहीं, गैंग के शूटरों को हथियारों की सप्लाई भी पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए होती है।

हाफिज सईद को मार सकता है?

लॉरेंस बिश्नोई फिलहाल जेल में बंद है, तब भी वो अपने गिरोह को चला रहा है। ऐसे में अगर हाफिज सईद को मारने की इस वायरल पोस्ट को अगर सच मान भी लिया जाए तो क्या लॉरेंस बिश्नोई भारत को आतंक के बरसों से गहरे जख्म दे रहे मोस्ट वांटेड हाफिज सईद को मार सकता है? क्राइम के ग्लोबल ऑपरेशन के साथ कई देशों में फैला बिश्नोई गैंग कोई छोटा-मोटा सिंडिकेट नहीं है। उसका नेटवर्क बहुत बड़ा है। खासकर कनाडा में उसके तगड़े लिंक हैं। अपराध के सिंडिकेट में उसका बराबर का भागीदार गोल्डी बरार भी है।

जोधपुर में नकली नोट की गैंग 500-500 की गड्डियां मिलीं

- 2 लाख में बेच रहे थे 10 लाख कीमत की फेक करेंसी
- 2 आरोपी हिरासत में

जोधपुर. जोधपुर में नकली नोट छापने वाली गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। आरोपियों के पास 7.50 लाख की फेक करेंसी भी मिली है। बदमाशों ने किराए के कमरे में नोट छापने का पूरा सेटअप तैयार कर रखा था।

मंगलवार रात जोधपुर पुलिस ने मंडोर कृषि उपज मंडी में कार्रवाई की। नकली नोटों के साथ नागौर के रहने वाले दो बदमाशों को हिरासत में लिया है। डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि गैंग की एक्टिवटी पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। मौका देखकर मंगलवार को दबिश दी गई।

नकली नोटों को बेचने की कीमत फिक्स

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों ने मंडी की एक दुकान के ऊपर ही ठिकाना बना रखा था। अंदेशा है कि वे बड़े व्यापारियों को नकली नोट खपाने का प्रयास करते थे। गैंग 2 लाख रुपए के बदले में 500-500 के 10 लाख के जाली नोट देती थी।

मंगलवार को छापेमारी में आरोपियों के पास फेक करेंसी के अलावा कलर प्रिंटर, स्कैनर, कटर, पेपर के पैकेट, कंप्यूटर सिस्टम बरामद किए हैं। पुलिस टीम ने यहां से 2 बदमाशों को हिरासत में लिया।

मंडोर मंडी परिसर में चल रहा था गिरोह

डीसीपी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि जोधपुर में मंडोर मंडी और आसपास के ग्रामीण गांव-कस्बों में पांच-पांच सौ के नकली नोट चलाए जा रहे हैं। इस पर डीएसटी (ईस्ट) प्रभारी श्यामसिंह की अगुवाई में टीम को जाली नोट छापने वाले गिरोह का पता लगाने के निर्देश दिए। इस टीम के साथ पुलिस के साइबर एक्सपर्ट्स भी थे।

कुछ दिन तक जानकारी जुटाने के बाद आरोपियों के बारे में जानकारी मिली। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर नेटवर्क में शामिल अन्य बदमाशों के साथ-साथ अब तक कितने नोट कहां खपाए गए थे, उसकी जानकारी भी जुटाने का प्रयास कर रही है।

बारिश से नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार गिरी : 7 श्रद्धालुओं की मौत, 4 घायल

विशाखापट्टनम. आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मंगलवार रात श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर की दीवार का 20 फीट लंबा हिस्सा गिर गया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। मंदिर में चंदनोत्सव चल रहा था। यह हर साल मनाया जाता है। इसमें हजारों श्रद्धालु भगवान नरसिंह के दर्शन के लिए आते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा देर रात 2:30 से 3:00 बजे के बीच तेज बारिश के कारण हुआ। कलेक्टर हरेंद्र प्रसाद ने बताया कि NDRF और SDRF ने रेस्क्यू पूरा कर लिया है।

राज्य की गृह और आपदा प्रबंधन मंत्री वंगलापुड़ी अनिता भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज और राहत-बचाव में कोई कोताही न हो। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। PM ने कहा, 'लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। यही कामना है, घायल जल्द ठीक हों।'

पाकिस्तानी नागरिक ने भारत में डाला वोट?

- ओसामा का दावा- मेरे पास आधार, राशन कार्ड सब है

अटारी. अटारी-वाघा बॉर्डर से एक और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें एक पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़कर अपने देश लौटते वक्त रोते हुए अपनी आपबीती सुना रहा है। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब भारत सरकार ने पाकिस्तान के नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद से मेडिकल ट्रीटमेंट, विवाह या अन्य कारणों से भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की कहानियां लगातार सामने आ रही हैं। इस बार चर्चा में आए युवक का नाम ओसामा है। खुद को पाकिस्तानी नागरिक बताते हुए ओसामा ने ANI से बातचीत में कहा, "मैं इस वक्त उरी से आ रहा हूं। लेकिन मैं रावलपिंडी,

इस्लामाबाद का रहने वाला हूं। इस समय मैं कम्प्यूटर साइंस में बैचलर कर रहा हूं। फाइनल सेमेस्टर चल रहा है। जून में मेरे एग्जाम थे। परीक्षा के बाद जॉब इंटरव्यू देना चाहता था। मैं पिछले 17 साल से भारत में रह रहा हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा मैं क्या कहूं।"

ओसामा ने बताया कि वह पाकिस्तानी नागरिक है और उसके पास भारत का पासपोर्ट नहीं है। वह 24 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से भारत आया था। ओसामा का दावा है कि वह कानूनी तरीके से भारत आया था। उसने आगे कहा, "मैंने यहां 10वीं और 12वीं की पढ़ाई की है, मेरे पास राशन कार्ड है, आधार कार्ड है, वोटर आईडी कार्ड है, मैंने यहां वोट भी डाला है। निवास प्रमाणपत्र है। अब मैं पाकिस्तान जाकर क्या करूंगा? मेरा भविष्य कहां है?" ओसामा के इन दावों ने नई बहस को जन्म दे दिया है कि आखिर एक विदेशी, वह भी पाकिस्तानी नागरिक भारत में वोट कैसे डाल सकता है?

हर दिन 450 शॉट खेलते थे वैभव सूर्यवंशी

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 बॉल पर शतक जमाया। उन्होंने 38 बॉल की पारी में 7 चौके और 11 छक्के लगाए। उनकी यह पारी कई वर्षों की मेहनत का फल है। वे हर अपने शॉट को परफेक्ट करने के लिए हर दिन 400 से 450 शॉट खेलते थे।

वैभव की बैटिंग पर उनके कोच मनीष ओझा कहते हैं कि उनका बैट फ्लो देखकर ऐसा नहीं लगता है कि उनके पास अनुभव की कमी है। उसने गुजरात के खिलाफ हर गेंदबाज को बेहतर तरीके से खेला और चौके-छक्के जड़े। यह अचानक नहीं था, इस पर वर्षों से काम किया गया है। उनका बैट लिफ्ट काफी ऊपर है और डाउनस्विंग काफी लंबा है। बैक लिफ्ट, बैक फुट और माइंड सेट सहित कई चीजों पर काफी सालों से काम किया गया है।'

गुजरात के खिलाफ मैच से पहले वैभव ने कोच मनीष ओझा से बात की थी। कोच ने वैभव से कहा था- ज्यादा से ज्यादा समय क्रीज पर रहना है। आप 40 गेंद तक ग्राउंड में रहते हैं तो अपने गेम को ट्रांसफार्म कर देंगे। आपको ज्यादा समय मिलने पर अपना परफॉर्मेंस दे पाएंगे। पिछले मैच में वैभव 16 रन पर आउट हो गए थे।

ऐज फ्रॉड से जुड़े सवाल पर वैभव के कोच ने कहा कि उनकी ऐज को लेकर सवाल उठाना बंद करें। वे देश का एसेट हैं। हम सबकी जिम्मेदारी है कि उसे संभालें। उन्हें BCCI से क्लीन चिट मिल चुकी है। बोर्ड ने उसे ऐज ग्रुप में खेलने का मौका दिया। BCCI इतनी बड़ी संस्था हैं, वह गलत रहता तो उसे खेलने का मौका नहीं मिलता। उसने सारे डॉक्यूमेंट्स प्रूफ दिए हैं। इतना ही नहीं, उसका बोन टेस्ट भी हो चुका है। वहां से भी क्लियरेंस मिल चुकी है। भारत में सभी को सवाल करने की आजादी है। अब हर किसी को प्रूफ तो नहीं देंगे। मैं वैभव से भी यही कहना चाहूंगा कि वह अपने खेल पर फोकस करें। इन सब चीजों पर ध्यान न दें।

ऑनर किलिंग पर सख्त सजा जरूरी - सुप्रीम कोर्ट

- तमिलनाडु के कपल की हत्या मामले में 11 दोषियों की सजा बरकरार
- पीड़ितों को 5 लाख मुआवजा

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- ऑनर किलिंग के लिए कड़ी सजा मिलनी चाहिए। कोर्ट ने तमिलनाडु के 2003 के एक कपल की हत्या मामले में 11 दोषियों की सजा को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

कोर्ट ने घटना के बारे में बताया- पीड़ित मुरुगेसन और कन्नगी को गांव के लोगों के सामने जहर देकर मारा था। इस घिनौने अपराध के मास्टरमाइंड महिला के पिता और भाई थे। कन्नगी 'वन्नियार' समुदाय से थी, जबकि मुरुगेसन दलित था। मई 2003 में दोनों ने छिपकर शादी कर ली। इसी वजह से उनकी हत्या कर दी गई।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा- भारत में गहराई से जड़े जमाए जातिगत व्यवस्था के कारण यह अपराध हुआ। विडंबना है कि इस शर्मनाक हत्या को 'ऑनर किलिंग' कहा जाता है। साथ ही मद्रास हाईकोर्ट के जून 2022 के फैसले पर दखलअंदाजी से मना कर दिया, जिसमें आरोपियों की सजा को बरकरार रखा गया था।

पुलिस अधिकारी अपराध में शामिल, पीड़ित को 5 लाख मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दो पुलिस अधिकारियों ने जानबूझकर मामले में FIR दर्ज नहीं की और अपराधियों को बचाने की कोशिश की। इस वजह से उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 217 और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत दोषी ठहराया गया है। इनमें से एक की सजा घटाकर दो साल कर दी गई, जबकि दूसरे की उम्रकैद बरकरार रखी गई है। कोर्ट ने मुरुगेसन के परिवार को 5 लाख रुपए का अतिरिक्त मुआवजा देने का आदेश दिया, जो पहले दिए गए मुआवजे से अलग होगा। यह राशि तमिलनाडु सरकार को देनी होगी।

2 रुपये महंगा हुआ अमूल का दूध

आम लोगों पर महंगाई की मार पड़ी है। दरअसल, अमूल दूध महंगा हो गया है। कंपनी ने बताया कि गुरुवार से देशभर के बाजारों में दूध की कीमतें 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई जाएंगी। नई मूल्य वृद्धि अमूल स्टैंडर्ड, अमूल भैंस दूध, अमूल गोल्ड, अमूल स्लिम एन ट्रिम, अमूल चाय माजा, अमूल ताजा और अमूल गाय दूध पर लागू होती है। इससे पहले मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतें बढ़ाई थीं। कच्चे माल पर बढ़ती लागत की आंशिक भरपाई के लिए मदर डेयरी ने दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है।

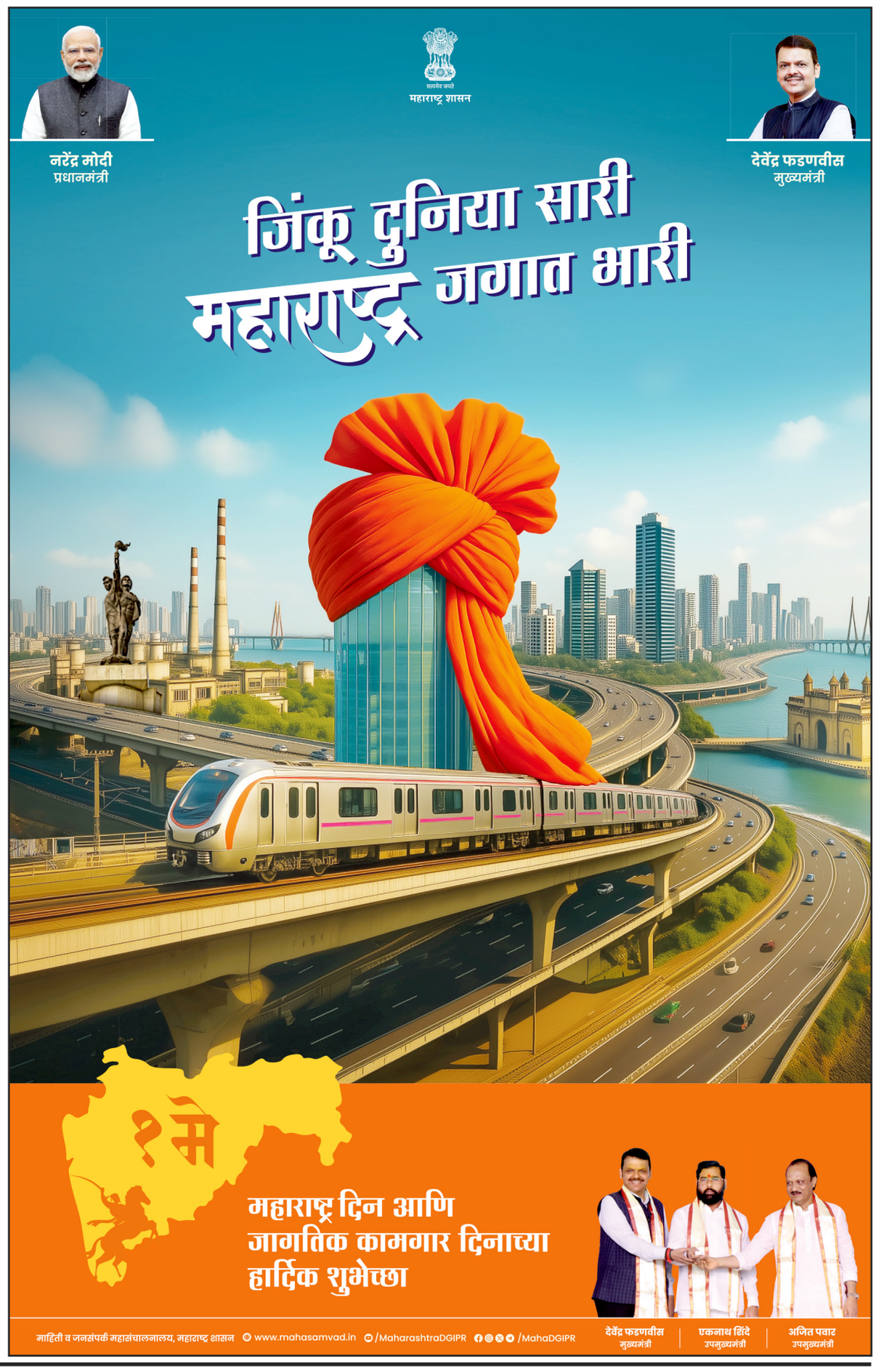

संक्षेप...

महिला अपनी नवजात बच्ची की हत्या के आरोप में गिरफ्तार

पालघर. पालघर जिले में 30 साल की एक महिला को अपनी ही नवजात बच्ची की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पश्चिम बंगाल की रहने वाली आरोपी पूनम शाह प्रसव के लिए लोनीपाड़ा में अपने माता-पिता के घर आई थी। इंस्पेक्टर दादासाहेब गुटूखाड़े ने बताया कि वह बच्ची को जन्म देने के बाद उदास थी, क्योंकि उसकी पहले से ही तीन बेटियाँ हैं। शनिवार की रात शाह ने कथित तौर पर सरकारी अस्पताल में अपनी नवजात बेटी का गला घोंट दिया। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के मृत पाए जाने के बाद पुलिस को सूचित किया गया और कर्मचारियों को संदेह था कि यह स्वाभाविक मौत नहीं थी। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिहार के देवेन भारती बने मुंबई के पुलिस कमिश्नर

- कसाब को फांसी दिलवाने में अहम रोल
- 26/11 हमले की जांच में शामिल थे
- कमिश्नर की रेस में कई नाम थे
- 5 साल खुफिया विभाग में भी सर्विस दी

मुंबई. बिहार के दरभंगा के रहने वाले IPS अधिकारी देवेन भारती मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर बनाए गए हैं। वह वर्तमान कमिश्नर विवेक फणसालकर की जगह लेंगे। 35 साल की नौकरी के बाद फणसालकर आज यानी बुधवार को रिटायर हो रहे हैं। देवेन भारती 1994 बैच के IPS अधिकारी हैं। इससे पहले वे मुंबई के लॉ एंड ऑर्डर में स्पेशल पुलिस कमिश्नर रहे हैं। उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। देवेन आज शाम को पद संभालेंगे।

CM फडणवीस के करीबी

2014 से लेकर 2019 तक फडणवीस के CM कार्यकाल के दौरान भारती जॉइंट पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर थे।

भारती मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले की जांच में शामिल थे। पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को फांसी दिलवाने में उनका अहम रोल रहा।

विवेक फणसालकर के रिटायर होने के बाद चर्चा थी कि पद किसे मिलेगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सदानंद दाते, संजय कुमार वर्मा, रितेश कुमार और महिला पुलिस अधिकारी अर्चना त्यागी का नाम भी पुलिस कमिश्नर की रेस में था।

2014 से 2019 के बीच फडणवीस सरकार के कार्यकाल के दौरान देवेन कई अहम पदों पर तैनात रहे थे। वह गढ़चिरौली में SP के रूप में भी तैनात थे और बाद में उन्होंने अमरावती और अकोला सहित महाराष्ट्र के कई जिलो में बतौर SP सेवाएं दीं।

1998 से 2003 के बीच उन्हें खुफिया विभाग में भी सेवाएं दीं। 29 साल के करियर में भारती ज्यादातर मुंबई शहर में पोस्टेड रहे। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान, उन्हें कुछ महीनों के लिए संयुक्त आयुक्त आर्थिक अपराध शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया और बाद मे महाराष्ट्र पुलिस के एटीएस प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया।

विधानसभा के बाद अब मनपा पर भी लहराएगा महायुति का परचम

- उबाठा को बड़ा झटका
- नौपाड़ा शाखा प्रमुख, उपशाखा प्रमुख, समूह प्रमुख शिवसेना में शामिल

ठाणे. महायुति सरकार द्वारा ढाई साल में किए गए कार्यों को देखते हुए मतदाताओं ने भारी संख्या में महायुति को वोट देकर समर्थन दिया। इसलिए हर दिन विभिन्न दलों के कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। शिवसेना प्रमुख नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विश्वास जताया कि विधानसभा में महागठबंधन का भगवा झंडा फहराया गया और अब मनपा में भी भगवा झंडा फहराया जाएगा।

नौपाड़ा में उबाठा समूह के उपविभाग प्रमुख प्रीतम राजपूत, उपविभाग प्रमुख राजेश पवार, समूह प्रमुख सुधीर ठाकुर, शाखा प्रमुख दिनेश चिकने और 20 पदाधिकारी उपमुख्यमंत्री शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हुए। आनंद आश्रम में आयोजित पार्टी की सदस्यता ग्रहण समारोह में सांसद नरेश म्हस्के और पूर्व महापौर मीनाक्षी शिंदे मौजूद थीं।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि ठाणे जिला धर्मवीर आनंद दिघे का गढ़ है। ठाणे शिवसेना का गढ़ है।मनपा में वर्तमान 72 नगरसेवक शिवसेना के साथ हैं। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि ठाणे जिले के कई तहसीलों से हर दिन सैकड़ों कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। हमने असली शिवसेना और कांग्रेस की बाड़ से बंधे धनुष-बाण को छुड़ाने के लिए विद्रोह किया।अब तक मुंबई के 70 नगरसेवक शिवसेना में शामिल हो चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना और उभाठा में यही अंतर है।ठाणे शहर के उभाठा के पदाधिकारी शिवसेना में शामिल हो गए। शाखा प्रमुख संजय कदम, स्वप्निल नेवरेकर, सुहास घाडगे, बजरंग हाटेकर, स्वप्निल फड़तरे, राहुल भानुशाली, निमिष भोंडिलकर, आदित्य पंडित, यश सिनालकर, प्रशांत भरणे, सुमित पाटिल, सीमा राजपूत, अंजलि अय्यर, मयूरा लोहाटे, प्राजक्ता बामने, स्वरांगी नेवरेकर, योगिता मेहता, निर्मला राजपूत, संध्या हुमाने, सुरेखा जाधव, नौपाड़ा और बी केबिन क्षेत्र के पदाधिकारी शिवसेना में शामिल हुए।

भिवंडी में काटे जा रहे अवैध नल कनेक्शन

- मनपा प्रशासक अनमोल सागर की सख्ती से नागरिकों में खुशी

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार, मनपा जलापूर्ति विभाग कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर की वाटर टास्क टीम द्वारा अवैध नल कनेक्शन धारकों का नल विखंडित कर संबंधित लोगों पर आर्थिक दंड ठोका जा रहा है. जलापूर्ति विभाग की सख्ती से मनपा राजस्व का नुकसान करने वाले अवैध नल धारकों के होश उड़ गए हैं.

भिवंडी मनपा जलापूर्ति विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, अवैध नल कनेक्शन धारकों पर एक्शन हेतु वाटर टास्क फोर्स टीम जगह जगह घूमकर तहकीकात में जुटी है.जांच के दौरान ही मनपा प्रभाग समिति क्र. 2 अंतर्गत नागांव दुर्गा कंपाऊंड में रणजीत बाफना द्वारा मोती कारखाना में नल कनेक्शन बगैर जलापूर्ति विभाग की मंजूरी से लिया था जो संज्ञान में आने पर विखंडित कर पुलिस स्टेशन में पानी चोरी का मामला दाखिल कराया गया.जलापूर्ति कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर के निर्देश पर वाटर टास्क टीम प्रमुख विराज भोईर द्वारा नल कनेक्शन की खातिर डांबर सड़क खोदने सहित पानी चोरी किए जाने की खातिर 99,984 रुपए का आर्थिक दंड ठोका गया है. वाटर टास्क फोर्स टीम ने प्रभाग समिति क्रमांक अंतर्गत दुर्गा कंपाऊंड में ही वासुदेव खामकर द्वारा बगैर मनपा जलापूर्ति विभाग से मंजूरी लिए ही औद्योगिक कार्य हेतु 2 नल कनेक्शन चोरी से लिए थे. मनपा जलापूर्ति विभाग ने डांबर सड़क खुदाई एवं पानी चोरी करने का पुलिस स्टेशन में आपराधिक मामला दाखिल कर 6,34,704 रुपए के आर्थिक नुकसान का दंड ठोंका है. शहर में अवैध नल कनेक्शन धारकों पर जालापूर्ति विभाग के कड़क एक्शन से नागरिकों में भारी खुशी फैली है.

महानगर गैस पाइपलाइन में लीकेज

कलवा. कलवा पश्चिम में बिछाई गई महानगर गैस की पाइपलाइन में अचानक लीकेज होने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही आपत्ति व्यवस्थापन कक्ष के कर्मचारी, महानगर गैस के कर्मचारी, कलवा पुलिस कर्मी व फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौजूद थे। महानगर गैस कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद हो रही गैस लीकेज को ठीक कर दिया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

मनपा मुख्यालय में मनाई गई राष्ट्रसंत की जयंती

ठाणे. मनपा की ओर से मनपा मुख्यालय में राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज और महान समाज सुधारक महात्मा बसवेश्वर की जयंती मनाई गई।इस जयंती समारोह को स्वर्गीय नरेन्द्र बल्लाल सभागार में आयोजित किया गया।मनपा अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी और अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे ने राष्ट्रीय संत तुकाडोजी महाराज और महान समाज सुधारक महात्मा बसवेश्वर के फोटो पर हार फूल अर्पित किया।इस अवसर पर उपायुक्त उमेश बिरारी, उपायुक्त जी.जी.गोदापुरे, टीएमटी प्रबंधक भालचंद्र बेहरे, उपायुक्त दिनेश तायडे, उपायुक्त सचिन सांगले, उपनगर अभियंता शुभांगी केसवानी, सहायक आयुक्त सचिन बोरसे, सहायक आयुक्त भालचंद्र घुगे सहित मनपा अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित थे।

'बिजली उपभोक्ताओं को सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत सेवाएं प्रदान की जाएं'

ठाणे. राज्य सरकार ने प्रदेश की जनता को विभिन्न नागरिक सेवाएं निर्धारित समयावधि में उपलब्ध कराने के लिए सेवा का अधिकार अधिनियम 2015 लागू किया है। महावितरण कोंकण क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त प्रबंध निदेशक दिलीप जगदाले ने आज महावितरण के अधिकारियों और कर्मचारियों को इसे प्रभावी ढंग से लागू करने का आदेश दिया।

सेवा अधिकार पखवाड़े के अवसर पर महावितरण द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को विविध सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।यह विद्युत सेवाएं निर्धारित अवधि में विद्युत उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाएं और ऐसा न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए महावितरण पोर्टल शुरू किया है। इस माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समाधान निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाएगा। संयुक्त प्रबंध निदेशक दिलीप जगदाले ने इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की।इस बैठक में भांडुप सर्कल के मुख्य अभियंता (प्रभारी) चंद्रमणि मिश्रा, कोंकण सर्कल के मुख्य अभियंता अनिल डोये, नासिक सर्कल के मुख्य अभियंता सुंदर लाटपटे, जलगांव सर्कल के मुख्य अभियंता इब्राहिम मुलानी सहित विभिन्न सर्कल कार्यालयों के अधीक्षक अभियंता उपस्थित थे। उसके बाद भांडुप सर्कल के कार्यकारी अभियंता (प्रशासन) श्रीनिवास चटलावार ने सेवा पखवाड़े के अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई। महावितरण कंपनी की कुछ सेवाओं को राज्य सरकार के सेवा के अधिकार अधिनियम में शामिल किया गया है। संयुक्त प्रबंध निदेशक जगदाले ने अपील की कि ये सेवाएं बिजली उपभोक्ताओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

स्वामी नारायण संस्कार केंद्र मंदिर का वार्षिकोत्सव मनाया

नवी मुंबई. उरण शहर में स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण संस्कार केंद्र मंदिर का वार्षिकोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में संत, हरिभक्त, पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित थे. इस अवसर पर मंदिर में विराजमान अक्षर पुरूषोत्तम महाराज, राधा-कृष्ण, गणपति, हनुमान आदि की प्रतिमाओं का पूजन किया गया, इसके बाद भगवान की आरती की गई साथ ही भव्य अन्नकूट का भोग लगाकर पूजा-अर्चना की गई.

उक्त अवसर पर मंदिर में सत्संग, प्रवचन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस मौके पर मुंबई के दादर स्थित स्वामी नारायण मंदिर के अभय स्वरूपदास स्वामी, सर्वेश्वर स्वामी, देववल्लभ स्वामी और अक्षर वल्लभ स्वामी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे.

परशुराम जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन

ठाणे. भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जन्मोत्सव पर ठाणे के वागले इस्टेट में पहली बार आयोजक शिवप्रकाश मिश्रा व संयोजक प्रीति पांडे के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा निकाली गई।इस शोभायात्रा में समाज के सभी नागरिक शामिल हुए।समाजसेवक समाजसेवक योगेश पाठक ने विधिवत पूजा कर भगवान परशुराम के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना किया गया।श्री फल तोड़कर शोभायात्रा की शुरुआत हुई।भगवान परशुराम का कार्यक्रम तो तमाम जगह आयोजित किया जाता है लेकिन पहली बार शोभायात्रा निकाली गई इस यात्रा का एक मात्र उद्देश्य है कि सभी को भगवान परशुराम के महिमा मंडन की जानकारी प्राप्त हो सके,और सभी सनातनियों को जागरूक करना और एकत्र करना है।इस शोभायात्रा में एडवोकेट विनय कुमार सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के अमित मिश्रा,बिपिन पांडे,उदय पांडे,राजेश पाठक, निजाम शेख, के बी मिश्रा,अनिल मिश्रा,रजनी पांडे,सोनी गिरी, ,गोपाल मिश्रा,श्रद्धा दुबे,पंडित राममिलन शुक्ल, चंद्रभूषण शुक्ल, इंद्रजीत शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

आम सूचना

मैं श्री एसके मुस्ताफिजूल सभी को सूचित कर रहा हूं कि आफिस नं. 101, झवेरी मार्केट, रुम नं. 9, बैरक नं. 447, सीरू चौक, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 22बीआय018234000) उक्त प्रॉपर्टी श्री एसके अयाज के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.4.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री एसके मुस्ताफिजूल

आम सूचना

हम श्रीमती पुजा विनोद रिजवानी व श्री विनोद दौलतराव रिजवानी सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट, रतन निवास, 2रा माला, बैरक नं. 164, रुम नं. 2-3, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 16एआय021664500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सोनिया राजेश जरानी के नाम पर है। उन्हें उनकी पति श्री राजेश लच्छमनदास जरानी ने गिफ्ट एग्रीमेंट 17.10.2019 द्वारा दिया है। श्रीमती सोनिया राजेश जरानी से सेल एग्रीमेंट 02.12.2024 सी.नं. 212/2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती पुजा विनोद रिजवानी व
श्री विनोद दौलतराव रिजवानी

शुक्रवार-शनिवार को ठाणे के कुछ इलाकों में बंद रहेगी जलापूर्ति

ठाणे. शुक्रवार को स्टेम प्राधिकरण से ठाणे मनपा को जलापूर्ति 2 मई को सुबह 9 बजे से शनिवार 3 मई रात्रि 9 बजे तक बंद रहेगा। इस अवधि के दौरान ठाणे मनपा ने अपनी स्वयं की जल आपूर्ति योजना बनाई है और 24 घंटे तक जल आपूर्ति बंद करने के बजाय, कुछ समय के लिए चरणबद्ध तरीके से जल आपूर्ति फिर से शुरू करने की योजना बनाई है। परिणामस्वरूप शुक्रवार, 2 मई को सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक घोड़बंदर रोड, पातलीपाड़ा, बालकुम, ब्रह्मांड, पवार नगर, कोठारी कंपाउंड, डोंगरीपाड़ा, वाघबिल क्षेत्रों में सुबह 9 बजे तक जलापूर्ति बंद रहेगी। शुक्रवार, 2 मई को शनिवार 3 मई को सुबह 9 बजे से समता नगर, रितु पार्क, सिद्धेश्वर, इंटरनिटी, जॉनसन, जेल, साकेत, उथलसर, रेतीबंदर, कलवा और मुंब्रा के कुछ हिस्सों में 9 बजे तक जलापूर्ति बंद रहेगी। शटडाउन के दौरान स्टेम प्राधिकरण योजना में दैनिक रखरखाव और मरम्मत कार्य किया जाएगा। नागरिकों से निवेदन है कि जलापूर्ति फिर शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक जलापूर्ति कम दबाव पर रहेगी। मनपा ने सभी से पानी कटौती के दौरान पानी का संयम से उपयोग कर सहयोग करने की अपील की है।

THE NAVJEEVAN CO-OP. BANK LTD. ESTD : 1985

نوجیون کو آپریٹو بنک لمیٹید

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound,
Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

आम सूचना

मैं श्री गणेश तुलसीराम रिसवाल सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 224-बी, रुम नं. 12, चालता नं. 108, 108 अे, शिट नं. 71, सीटीएस नं. 5047 पार्ट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 16बीआय015819800) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रकाश नेनाराम आर्या (कटारिया) के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.4.2025 सी.नं. 1784/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गणेश तुलसीराम रिसवाल

आम सूचना

मैं श्री सुरेश छगनलाल गांधी सभी को सूचित कर रहा हूं कि ग्राऊंड फ्लोर, विकी निवास, बैरक नं. 89, बिर्ला मंदिर रोड, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 06एओ014587600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कंचन छगनलाल गांधी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 27.9.2017 सी.नं. 126 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुरेश छगनलाल गांधी

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
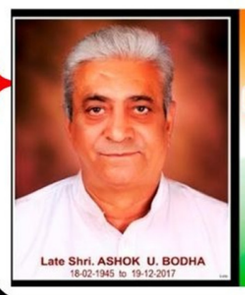
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099